



सत्यमेव जयते

आयुक्त का कार्यालय  
Office of the Commissioner  
केंद्रीय जीएसटी, अपील अहमदाबाद आयुक्तालय  
Central GST, Appeals Ahmedabad Commissionerate  
जीएसटी भवन, राजस्व मार्ग, अम्बावाड़ी, अहमदाबाद-380015  
GST Bhavan, Ambawadi, Ahmedabad-380015  
Phone: 079-26305065 - Fax: 079-26305136  
E-Mail : [commrappl1-cexamd@nic.in](mailto:commrappl1-cexamd@nic.in)  
Website : [www.cgstappealahmedabad.gov.in](http://www.cgstappealahmedabad.gov.in)



आज़ादी का  
अमृत महोत्सव

**By SPEED POST**

DIN:- 20240564SW0000823499

(क)	फ़ाइल संख्या / File No.	GAPPL/COM/STP/1801/2024-APPEAL/5992-96
(ख)	अपील आदेश संख्या और दिनांक / Order-In-Appeal No. and Date	AHM-EXCUS-003-APP-024/2024-25 and 30.05.2024
(ग)	पारित किया गया / Passed By	श्री ज्ञानचंद जैन, आयुक्त (अपील्स) Shri Gyan Chand Jain, Commissioner (Appeals)
(घ)	जारी करने की दिनांक / Date of issue	31.05.2024
(ङ)	Arising out of Order-In-Original No. AHM-CEX-003-Reassigned-AC-NLC-012-21-22 dated 28.03.2022 (Date of Issue : 30.03.2022) passed by the Assistant Commissioner, CGST GST, Commissionerate - Gandhinagar	
(च)	अपीलकर्ता का नाम और पता / Name and Address of the Appellant	M/s Khushi Enterprise, Boriyavi, Mehsana

कोई व्यक्ति इस अपील-आदेश से असंतोष अनुभव करता है तो वह इस आदेश के प्रति यथास्थिति नीचे बताए गए सक्षम अधिकारी को अपील अथवा पुनरीक्षण आवेदन प्रस्तुत कर सकता है, जैसा कि ऐसे आदेश के विरुद्ध हो सकता है।

Any person aggrieved by this Order-in-Appeal may file an appeal or revision application, as the one may be against such order, to the appropriate authority in the following way.

भारत सरकार का पुनरीक्षण आवेदन:-

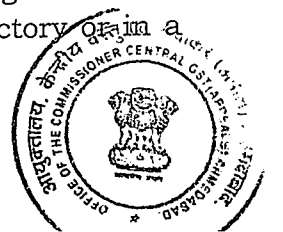
**Revision application to Government of India:**

(1) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधिनियम, 1994 की धारा अतत नीचे बताए गए मामलों के बारे में पूर्वोक्त धारा को उप-धारा के प्रथम परन्तुक के अंतर्गत पुनरीक्षण आवेदन अधीन सचिव, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, चौथी मंजिल, जीवन दीप भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली: 110001 को की जानी चाहिए :-

A revision application lies to the Under Secretary, to the Govt. of India, Revision Application Unit Ministry of Finance, Department of Revenue, 4<sup>th</sup> Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi - 110 001 under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35 ibid :-

(क) यदि माल की हानि के मामले में जब ऐसी हानिकार खाने से किसी भण्डागार या अन्य कारखाने में या किसी भण्डागार से दूसरे भण्डागार में माल ले जाते हुए मार्ग में, या किसी भण्डागार या भण्डार में चाहे वह किसी कारखाने में या किसी भण्डागार में हो माल की प्रकिया के दौरान हुई हो।

In case of any loss of goods where the loss occur in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or warehouse.



(ख) भारत के बाहर किसी राष्ट्र या प्रदेश में निर्यातित माल पर या माल के विनिर्माण में उपयोग शुल्क कच्चे माल पर उत्पादन शुल्क के रिबेट के मामलों में जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या प्रदेश में निर्यातित है।

In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India.

(ग) यदि शुल्क का भुगतान किए बिना भारत के बाहर (नेपाल या भूटान को) निर्यात किया गया माल हो।

In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty.

(घ) अंतिम उत्पादन की उत्पादन शुल्क के भुगतान के लिए जो ड्यूटी क्रेडिट मान्य की गई है और ऐसे आदेश जो इस धारा एवं नियम के मुताबिक आयुक्त, अपील के द्वारा पारित वो समय पर या बाद में वित्त अधिनियम (नं 2) 1998 धारा 109 द्वारा नियुक्त किए गए हो।

Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under and such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec.109 of the Finance (No.2) Act, 1998.

(2) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (अपील) नियमावली, 2001 के नियम 9 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट प्रपत्र संख्या इए-8 में दो प्रतियों में, प्रेषित आदेश के प्रति आदेश प्रेषित दिनांक से तीन मास के भीतरमूल-आदेश एवं अपील आदेश की दो-दो प्रतियों के साथ उचित आवेदन किया जाना चाहिए। उसके साथ खाता इ का मुख्य शीर्ष के अंतर्गत धारा 35-इ में निर्धारित फी के भुगतान के सबूत के साथ टीआर-6 चालान की प्रति भी होनी चाहिए।

The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the OIO and Order-In-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account.

(3) रिविजन आवेदन के साथ जहाँ संलग्न रकम एक लाख रुपये या उससे कम होतो रुपये 200/- फीस भुगतान की जाए और जहाँ संलग्नरकम एक लाख से ज्यादा हो तो 1000/- की फीस भुगतान की जाए।

The revision application shall be accompanied by a fee of Rs.200/- where the amount involved is Rupees One Lac or less and Rs.1,000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.

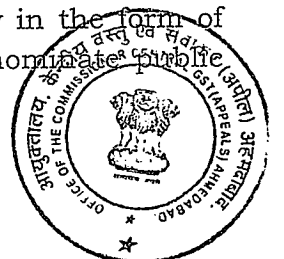
सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के प्रति अपील:-  
Appeal to Custom, Excise, & Service Tax Appellate Tribunal.

(1) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35-बी/35-इ के अंतर्गत:-  
Under Section 35B/ 35E of CEA, 1944 an appeal lies to :-

(2) उक्तलिखित परिच्छेद में बताए अनुसार के अलावा की अपील, अपीलो के मामले में सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सिस्टेट) की पश्चिम क्षेत्रीय पीठिका, अहमदाबाद में 2<sup>nd</sup> माला, बहुमाली भवन, असरवा, गिरधरनागर, अहमदाबाद-380004।

To the west regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at 2<sup>nd</sup> floor, Bahumali Bhawan, Asarwa, Girdhar Nagar, Ahmedabad: 380004. In case of appeals other than as mentioned above para.

The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 as prescribed under Rule 6 of Central Excise(Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against (one which at least should be accompanied by a fee of Rs.1,000/-, Rs.5,000/- and Rs.10,000/- where amount of duty / penalty / demand / refund is upto 5 Lac, 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asstt. Registrar of a branch of any nominated public



sector bank of the place where the bench of any nominate public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated.

(3) यदि इस आदेश में कई मूल आदेशों का समावेश होता है तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए फीस का भुगतान उपर्युक्त ढंग से किया जाना चाहिए इस तथ्य के होते हुए भी कि लिखा पढी कार्य से बचने के लिए यथास्थिति अपीलीय न्यायाधिकरण को एक अपील या केन्द्रीय सरकार को एक आवेदन किया जाता है।

In case of the order covers a number of order-in-Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner notwithstanding the fact that the one appeal to the Appellant Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filled to avoid scriptoria work if excising Rs. 1 lacs fee of Rs.100/- for each.

(4) न्यायालय शुल्क अधिनियम 1970 यथा संशोधित की अनुसूची -1 के अंतर्गत निर्धारित किए अनुसार उक्त आवेदन या मूलआदेश यथास्थिति निर्णयन प्राधिकारी के आदेश में से प्रत्येक की एक प्रतिपर रू 6.50 पैसे का न्यायालय शुल्क टिकट लगा होना चाहिए।

One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjournment authority shall a court fee stamp of Rs.6.50 paise as prescribed under scheduled-I item of the court fee Act, 1975 as amended.

(5) इन ओर संबंधित मामलों को नियंत्रण करने वाले नियमों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है जो सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (कार्याविधि) नियम, 1982 में निहित है।

Attention is invited to the rules covering these and other related matter contended in the Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.

(6) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सिस्टेट) एके प्रति अपीलो के मामले में कर्तव्यमांग (Demand) एवं दंड (Penalty) का 10% पूर्व जमा करना अनिवार्य है। हालांकि, अधिकतम पूर्व जमा 10 करोड़ रुपए है। (Section 35 F of the Central Excise Act, 1944, Section 83 & Section 86 of the Finance Act, 1994)

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सेवाकर के अंतर्गत, शामिल होगा कर्तव्य की मांग (Duty Demanded)।

- (1) खंड (Section) 11D के तहत निर्धारित राशि;
- (2) लिया गलत सेनवैट क्रेडिट की राशि;
- (3) सेनवैट क्रेडिट नियमों के नियम 6 के तहत देय राशि।

यह पूर्व जमा 'लंबित अपील' में पहले पूर्व जमा की तुलना में 'अपील' दाखिल करने के लिए पूर्व शर्त बना दिया गया है।

For an appeal to be filed before the CESTAT, 10% of the Duty & Penalty confirmed by the Appellate Commissioner would have to be pre-deposited, provided that the pre-deposit amount shall not exceed Rs.10 Crores. It may be noted that the pre-deposit is a mandatory condition for filing appeal before CESTAT. (Section 35 C (2A) and 35 F of the Central Excise Act, 1944, Section 83 & Section 86 of the Finance Act, 1994).

Under Central Excise and Service Tax, "Duty demanded" shall include:

- (i) amount determined under Section 11 D;
- (ii) amount of erroneous Cenvat Credit taken;
- (iii) amount payable under Rule 6 of the Cenvat Credit Rules.

(6) (i) इस आदेश के प्रति अपील प्राधिकरण के समक्ष जहाँ शुल्क अथवा शुल्क या दण्ड विवादित हो तो माँग किए गए शुल्क के 10% भुगतान पर और जहाँ केवल दण्ड विवादित हो तब दण्ड के 10% भुगतान पर की जा सकती है।

In view of above, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute."



## अपीलिय आदेश/ ORDER-IN-APPEAL

The present appeal has been filed by M/s Khushi Enterprise, Boriyavi, Mehsana [hereinafter referred to as "the appellant"] against Order in Original No. AHM-CEX-003-Reassigned-AC-NLC-012-21-22 dated 28.03.2022 (Date of Issue : 30.03.2022) [hereinafter referred to as "the impugned order"] passed by the Assistant Commissioner, CGST GST, Commissionerate - Gandhinagar [hereinafter referred to as "the adjudicating authority"].

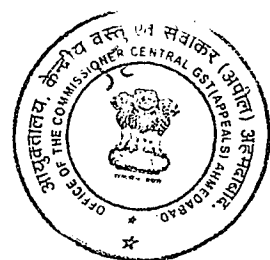
2. Briefly stated, the facts of the case are that the appellant were registered under Service Tax Registration No. AXGPC5337DSD001 for providing taxable services. As per the information received from the Income Tax department, it was observed by the jurisdictional officer that the gross value of Sale of Services declared in the ST-3 filed with Service Tax Department was less than the gross value of Sale of Services declared in Income Tax Returns /TDS Returns filed with the Income Tax Department during the period F.Y. 2016-17. In order to verify the discrepancies, letters/ e-mails were issued to the appellant. They did not submit any reply. Further, the jurisdictional officer considering service provided by the appellant during the relevant period as taxable under Section 65 B (44) of the Finance Act, 1994 and determined the Service Tax liability on difference of the value of 'Sales of Services' under Sales/Gross Receipts from Services declared in ITR & the value of 'Sale of Services' declared in ST-3 for the period of F.Y. 2016-17. Details are as under:

Sr. No.	Period (F.Y.)	Differential Taxable Value as per Income Tax Data (in Rs.)	Rate of Service Tax incl. Cess	Service Tax liability to be demanded (in Rs.)
1.	2016-17	48,84,330/-	15%	7,32,650/-

3. The appellant was issued Show Cause Notice No. V.ST/11A-45/Khushi.Ent./2020-21 dated 30.06.2020 (in short SCN) proposing to demand and recover Service Tax amounting to Rs.7,32,650/- under proviso to Section 73 (1) of Finance Act, 1994 along with interest under Section 75 of the Act. The SCN also proposed imposition of penalty under Section 77(2), Section 77C and Section 78 of the Finance Act, 1994.

4. The SCN was adjudicated *ex-parte* vide the impugned order wherein :

- Service Tax demand of Rs.7,32,650/- was confirmed under Section 73(1) of the Finance Act, 1994 alongwith interest under Section 75 of the Finance Act, 1994.



- Penalty of Rs.10,000/- was imposed under Section 77(2) of the Finance Act, 1994.
- Penalty @200/- per day till the date of compliance or Rs.10,000/- which ever is higher was imposed under Section 77C of the Finance Act, 1994.
- Penalty of Rs.7,32,650/- was imposed under Section 78 of the Finance Act,1994 with option for reduced penalty in terms of clause (ii).

5. Aggrieved by the impugned order, the appellant has preferred this appeal on following grounds:

- The appellant is proprietor firm and carry out exempted work as defined in Mega Exemption Notification 25/2012. Hence, they are not liable for payment of Service Tax.
- On the basis of Income Tax Return department issued Show Cause Notice and the adjudicating authority also has not verified the details and passed the impugned order.

6. Hearing in the case was held on 20.05.2024 virtually. Shri Arpan Yagnik, Chartered Accountant, appeared for hearing on behalf of the appellant. He informed that the client is doing jobwork for Banaskantha Dist. Co-op. Milk Providers' Union Ltd. for manufacturing cattle feed. The activity is covered under Sr. No. 30 of Noti.25/2012. Further, he requested for two days time to submit additional submission.

6.1 Subsequently, the appellant submitted additional submission dated 21.05.2024 along with sample invoices and work order, wherein they inter alia submitted the following grounds:

- The appellant stated that they were carrying out the job work for the Banaskantha Milk Producers Union Limited. They carried out the various processes at the client premise in relation to manufacturing process. The Banaskantha Milk Producers Union Limited manufacture cattle feed and in reference they have appointed the appellant as job worker. The appellant needs to cut and prepare the mixture of various minerals and the same need to be inserted in Hopper installed in factory premises. The whole activity part of the manufacturing process. Further, the appellant was paid based on-rate contract



only. Hence, the appellant is eligible for the exemption as per the Notification No 25/2012 Dated 20/06/2012. Relevant para of the clause reproduced below,

30. Services by way of carrying out, -

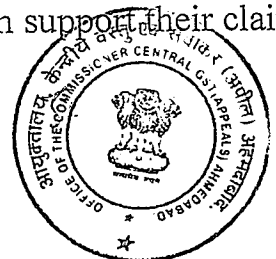
(i) any process amounting to manufacture or production of goods excluding alcoholic liquor for human consumption; or

- Hence, the work carried out by the appellant is exempted as per the above Notification and provision of the act. The activity of the appellant fall under the exempted activity and not liable for the service tax. The activity carried out by the appellant is process to manufacturing and any such expenditure charged to manufacturing cost only. Thus, the department has raised demand solely based on the ITR data and not carried out any verification of records.
- The appellant reproduces the contract copy and sample invoices in support of their claim. It is very clear that contract is for job work and rate basis. The appellant has to carry out a specific job for the manufacturing process. The employer of the appellant was registered with excise & manufactured excisable goods. The appellant requested to consider the same and grant the exemption.

7. I have carefully gone through the facts of the case available on record, grounds of appeal in the appeal memorandum, oral submissions made during personal hearing and additional submission, the impugned order passed by the adjudicating authority and other case records. The issue before me for decision in the present appeal is whether the demand of service tax amounting to Rs.7,32,650/- confirmed under proviso to Section 73 (1) of Finance Act, 1994 alongwith interest, and penalties vide the impugned order passed by the adjudicating authority in the facts and circumstances of the case is legal and proper or otherwise. The demand pertains to the period of F.Y. 2016-17.

8. I find that the SCN was issued on the basis of third party data without any verification and the impugned order has been decided *ex-parte*.

9. I find that the appellant claimed that they were engaged in providing Jobwork service to Banaskantha Dist. Co-op. Milk Producer's Union Ltd, Palanpur vide two contracts for manufacturing or production of cattle feed. They received the amount against their issued invoices as per contract rate @ Kilo / Tons. In support their claim,



they submitted contract copy and sample invoices. They also contended that the job work done by them in manufacturing of the cattle feed was excisable goods on which the principal manufacturer was liable to pay excise duty. The whole process cutting raw material, processing at factory, putting in hopper, add some minerals and then packing of finished goods i.e. cattle feed amounts to manufacture, then no service tax liability arises in view of the Sr. No. 30(i) of the Notification No. 25/2012-ST dated 20.06.2012.

9.1 On going through the submissions made by the appellant, I find that there are six cattle feed products (excisable goods) in the products category of Banaskantha Dist. Co-op. Milk Producer's Union Ltd, Palanpur. The contracts made between them it clearly shows that the service receiver is not concerned about the manpower. The value of service is function of quantum of job work undertaken, i.e. quantity of raw materials/finished goods etc. It is immaterial as to whether the job worker undertakes jobwork in his premises or in the premises of service receiver. The appellant received amount for their Jobwork on work done basis as per contract rate only.

9.2 During the course of hearing as contended by the appellant, I also find that the jobwork service provided to M/s Banaskantha Dist. Co-op. Milk Producer's Union Ltd, Palanpur merits exemption from service tax by virtue of the provision of Sr. No. 30 of Mega Exemption Notification No. 25/2012-Service Tax dated 20<sup>th</sup> June, 2012. Relevant portion of the said notification is reproduced below :

Government of India  
Ministry of Finance  
(Department of Revenue)  
**Notification No. 25/2012-Service Tax**

New Delhi , the 20 th June, 2012

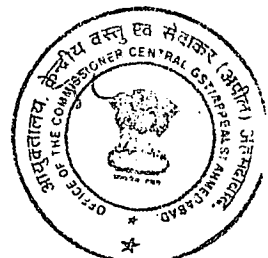
G.S.R.....(E).- In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 93 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994) (hereinafter referred to as the said Act) and in supersession of notification number 12/2012- Service Tax, dated the 17 th March, 2012, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) *vide* number G.S.R. 210 (E), dated the 17 th March, 2012, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the following taxable services from the whole of the service tax leviable thereon under section 66B of the said Act, namely:-

.....

30. Services by way of carrying out,-

(i) any process amounting to manufacture or production of goods excluding alcoholic liquor for human consumption; or

.....



10. In view of the above legal provisions, discussions, findings and facts of the case, I am of the considered view that the demand of Service Tax amounting to Rs.7,32,650/- confirmed vide the impugned order fails to sustain on merit. As the demand of service tax fails to sustain, question of interest and penalty does not arise.

11. Accordingly, the impugned order is set aside and the appeal filed by the appellant is allowed.

12. अपील कर्ता द्वारा दर्ज की गई अपील का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है।  
The appeal filed by the appellant stands disposed of in above terms.



ज्ञानचंद जैन

आयुक्त (अपील्स)

Dated: 30<sup>th</sup> May, 2024

सत्यापित/Attested :

२२५१

रेखा नायर

अधीक्षक (अपील्स)

सी जी एस टी, अहमदाबाद

By REGD/SPEED POST A/D



To,

M/s Khushi Enterprise,

Boriyavi, Mehsana.

Copy to :

1. The Principal Chief Commissioner, CGST and Central Excise, Ahmedabad.
2. The Commissioner, CGST and Central Excise, Gandhinagar.
3. The Assistant Commissioner, CGST & CEX, Mehsana Division, Gandhinagar Commissionerate.
4. The Superintendent (Systems), CGST, Appeals, Ahmedabad, for publication of OIA on website.
5. Guard file.
6. PA File.